भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या: *180

दिनांक 06 दिसंबर, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

सर्वाइकल कैंसर जांच कार्यक्रम

***180. श्री गुरजीत सिंह औजला:**

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने पंजाब राज्य में, विशेषत: अमृतसर और ग्रामीण अंचलों जैसे अल्पसेवित क्षेत्रों में सर्वाइकल कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाने और उसके निवारण के तत्काल उपायों की आवश्यकता महसूस की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार की देश भर में ग्रामीण क्षेत्रों में वहनीयता और सुलभता पर ध्यान केन्द्रित करते हुए, सर्वाइकल कैंसर जांच कार्यक्रमों और ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीजी) टीकाकरण अभियान के वित्त-पोषण और विस्तार की कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार का महिलाओं को रोग का शीघ्र पता लगाने, लक्षणों और निवारक उपायों के बारे में शिक्षित करने के लिए समुदाय और महिला संगठनों को शामिल करके इनकी पहुंच को अधिकतम करने के लिए राष्ट्रीय जन स्वास्थ्य अभियान शुरू करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार का पंजाब सहित देश भर में राज्य-वार/संघ राज्य क्षेत्र-वार सर्वाईकल कैंसर के मामलों को कम करने के लिए लड़कियों और युवतियों के लिए व्यापक रूप से एचपीवी टीका उपलब्ध कराने, इसे सस्ता अथवा नि:शुल्क करने के लिए विशिष्ट बजट आवंटित करने का भी विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या ऐसे उपायों से इस क्षेत्र में महिलाओं के स्वास्थ्य और कल्याण में सहायता मिलने तथा इनके राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राथमिकताओं के अनुरूप होने की संभावना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री

(श्री जगत प्रकाश नड्डा)

(क) से (ङ): विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

*****

दिनांक 06.12.2024 को उत्तर के लिए लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या 180 के उत्तर में संदर्भित विवरण।

(क) से (ड.): स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, भारत सरकार, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के हिस्से के रूप में गैर-संचारी रोगों (एनपी-एनसीडी) की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत पंजाब सहित राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करता है। यह कार्यक्रम गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर सहित गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) की रोकथाम के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, मानव संसाधन विकास, शीघ्र निदान, उपचार और प्रबंधन के लिए उचित स्तर के स्वास्थ्य सुविधा केंद्र के लिए रेफरल और स्वास्थ्य संवर्धन और जागरूकता पैदा करने पर केंद्रित है।

आशा कर्मी 30 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग के सभी व्यक्तियों के लिए समुदाय आधारित मूल्यांकन चेकलिस्ट (सीबीएसी) का प्रबंधन करते है । गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर सहित गैर-संचारी रोगों के लिए जोखिम मूल्यांकन सीबीएसी के माध्यम से किया जाता है और 30 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी उच्च जोखिम वाले व्यक्तियों को सामान्य गैर-संचारी रोगों की जांच के लिए भेजा जाता है।

एनएचएम के तहत देश में व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल के एक भाग के रूप में गर्भाशय-ग्रीवा कैंसर सहित सामान्य एनसीडी की जांच, प्रबंधन और रोकथाम के लिए जनसंख्या-आधारित पहल शुरू की गई है।

प्रशिक्षित फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं [मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता (आशा) और सहायक नर्स और दाई (एएनएम)] के माध्यम से रोकथाम, नियंत्रण और जांच सेवाएं प्रदान की जा रही हैं, और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों , जिला अस्पतालों और अन्य विशिष्ट देखभाल संस्थानों के माध्यम से रेफरल सहायता और देखभाल की निरंतरता सुनिश्चित की जाती है। जनसंख्या आधारित जांच से शुरुआती चरण में बीमारी का पता लगाने, अनुवर्ती कार्रवाई और उपचार के अनुपालन के माध्यम से बीमारियों के बेहतर प्रबंधन में मदद मिल सकती है। विभिन्न श्रेणियों के स्वास्थ्य कर्मचारियों अर्थात नर्सों, एएनएम, आशा और चिकित्सा अधिकारियों के प्रशिक्षण के लिए एनसीडी के लिए जांच, प्रबंधन और जागरूकता सृजन पर प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित किए गए हैं।

एनसीडी स्क्रीनिंग और प्रबंधन तथा 30 वर्ष और उससे अधिक आयु की आबादी के सर्वाइकल कैंसर सहित पांच सामान्य एनसीडी के लिए निरंतर देखभाल सुनिश्चित करने के लिए एनपी-एनसीडी के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा 2018 में राष्ट्रीय एनसीडी पोर्टल शुरू किया गया है।

समुदाय में, आशा कार्यकर्ता गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर सहित गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) के बारे में जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आशा कार्यकर्ता व्यक्तियों और परिवारों को पौष्टिक आहार, नियमित शारीरिक कार्यकलाप और तंबाकू और शराब से परहेज सहित स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के महत्व के बारे में शिक्षित करते हैं। आशा कार्यकर्ता नियमित स्वास्थ्य जांच और स्क्रीनिंग के माध्यम से प्रारंभिक पहचान के महत्व पर जोर देते हैं, जिससे घर के दौरे, समूह बैठकों और स्वास्थ्य अभियानों में भागीदारी के माध्यम से समय पर अंतक्षेप संभव हो पाता है।

सामुदायिक स्तरीय मंच जैसे ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति (वीएचएसएनसी)/ महिला आरोग्य समिति (एमएएस), जन आरोग्य समिति (जेएएस), स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) और स्थानीय निकाय सामुदायिक जागरूकता और प्रोत्साहन एवं निवारक देखभाल गतिविधियों के लिए एक मंच के रूप में कार्य करते हैं।

आंगनवाड़ी सेवा योजना के अंतर्गत गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं को स्वास्थ्य शिक्षा और पौष्टिक आहार लेने के महत्व के बारे में बताया जाता है।

गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर सहित गैर-संचारी रोगों के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए आगे की पहलों में राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस मनाना, निरंतर सामुदायिक जागरूकता के लिए प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया का उपयोग करना शामिल है। इसके अलावा, एनपी-एनसीडी एनएचएम के तहत एनसीडी के लिए जागरूकता पैदा करने वाले कार्यकलापों के लिए जिला स्तर पर 3-5 लाख रुपये और राज्य स्तर पर 50-70 लाख रुपये की वित्तीय सहायता देता है, जिन्हें राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा उनके कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं (पीआईपी) के अनुसार किया जाना है।

राष्ट्रीय एनसीडी पोर्टल के अनुसार, 2 दिसंबर 2024 तक पंजाब में 30 वर्ष और उससे अधिक आयु की कुल 3.99 लाख महिलाओं की गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के लिए जांच की गई है।

पंजाब सरकार ने बताया है कि उसने अमृतसर और पंजाब के ग्रामीण क्षेत्रों सहित आम आबादी में गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर सहित सामान्य कैंसर के शुरुआती संकेतों और लक्षणों के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाया है। राज्य भर में सभी सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों में जांच शिविर लगाए जा रहे हैं। राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस हर साल सभी 23 जिलों के सभी स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों में मनाया जाता है। जन जागरूकता के लिए अन्य पहलों में साइकिल रैली, फ़्रीक्वेंसी मॉड्यूलेशन (एफ़एम) रेडियो संदेश और लघु संदेश सेवा (एसएमएस) शामिल हैं। पंजाब सरकार द्वारा 17 नवंबर, 2024 को गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर उन्मूलन दिवस मनाया गया और सभी जिला अस्पतालों में जांच कार्यकलाप आयोजित किए गए। इसके अलावा, स्कूली लड़कियों के लिए पुरस्कार वितरण के साथ पोस्टर बनाने की गतिविधियाँ, आम कैंसर की प्रारंभिक जांच के लिए जागरूकता पैदा करने के लिए पैम्फलेट, पोस्टर जैसी विभिन्न सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) सामग्री की छपाई और वितरण किया गया।

मानव पेपिलोमा वायरस (एचपीवी) वैक्सीन सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम (यूआईपी) का हिस्सा नहीं है।

*****